No. of Printed Pages : 3 **MJY–002**

स्नातकोत्तर कला उपाधि

(ज्योतिष) (एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.जे.वाई.-002 : सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र कुल **दो** खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए **20** अंक निर्धारित हैं।* $3\times20=60$

1. सिद्धान्त ज्योतिष का विस्तृत परिचय देते हुए गोल ज्ञान की उपयोगिता बताइए।

2. ग्रहगति विवेचना पर सुविस्तृत निबन्ध लिखिए।

3. सूर्यसिद्धान्तीय अहर्गण साधन उदाहरणपूर्वक प्रदर्शित कर अहर्गण के स्वरूप पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

4. मन्दफल एवं शीघ्रफल का विस्तृत परिचय देते हुए इनकी उपयोगिता बताइए।

5. काल की अवधारणा पर चर्चा करते हुए संक्षिप्त में नवविधकालमान का प्रतिपादन कीजिए।

6. भचक्र व्यवस्था एवं ग्रहकक्षा पर ग्रन्थोक्त प्रकार से प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

7. भूगोल का स्वरूप किस प्रकार का है ? प्रकाश डालिए।

8. भूव्यास एवं स्पष्ट भूपरिधि साधन की विवेचना कीजिए।

9. अक्षांश एवं देशान्तर साधन पर प्रकाश डालिए।

10. भुजान्तर एवं उदयान्तर साधन की विवेचना कीजिए।

11. अमूर्तकाल एवं मूर्तकाल में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

12. ब्राह्ममान एवं प्राजापत्यमान पर टिप्पणी लिखिए।

13. बार्हस्पत्यमान पर प्रकाश डालिए।

14. पृथिवी के विभिन्न क्षेत्रों में अहोरात्र व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×